वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 299 शुक्रवार 24 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पूर्व पर्यटन मंत्री-एक्ट्रेस बीना काक ने कहा...

सलमान खान ने मुझे डिप्रेशन से बचाया

चुनाव हार गई तो मुंबई बुलाकर फिल्म में रोल ऑफर किया

जयपुर. कासं

राजस्थान की पूर्व पर्यटन मंत्री और एक्ट्रेस बीना काक ने कहा- सलमान खान ने मुझे डिप्रेशन में जाने से बचाया है। मैं चुनाव हार गई थी। इससे मैं काफी दुखी थी। यह दुख ज्यादा हावी होता, इससे पहले ही सलमान ने मुझे मुंबई बुला लिया। उन्होंने मुझे 'मैंने प्यार क्यूं किया' फिल्म में रोल ऑफर किया था। गुरुवार को जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर यूनिवर्सिटी के एनुअल फंक्शन में बीना काक पहुंचीं। इस दौरान रोडीज फेम रणविजय भी मौजूद रहे। बीना काक ने अपनी लाइफ के किस्से शेयर किए। बीना काक ने कहा कि मेरी जिंदगी में हमेशा जो भी चीजें हुईं अचानक हुईं। मेरा राजनीति से दूर-दूर तक नाता नहीं था। बारां में एक एजेंसी चलाती थी। वहां एक बार राजीव गांधी आए। उस समय वो कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी थे। उन्होंने मुझे भीड़ में देखा। मैं कश्मीरी ब्राह्मण परिवार से थी। हम कई बार शादियों और अन्य फंक्शन में मिल चुके थे। हालांकि वे मेरा नाम नहीं जानते थे। सभा के बाद नीचे उतरकर आए और मुझसे पूछा- तुम यहां क्या कर रही हो? तब मैंने बताया कि बारां में ही अपना काम कर रही हूं। यहीं परिवार है।

इतना काम कराने के बाद भी हार गई

इसके बाद राजीव गांधी ने शिवचरण माथुर को बुलाया। कहा- इन्हें कांग्रेस जॉइन करवाइए। इसके बाद मुझे महिला कांग्रेस बारां का अध्यक्ष बना दिया गया। चुनाव में टिकट मिल गया। मैंने सुमेरपुर को अपना विधानसभा क्षेत्र चुना। पहली बार में ही विधानसभा पहुंची। यहां बड़े-बड़े दिग्गजों के सामने आई तो मेरा कोई भी अनुभव नहीं था। यहां मुझे पहली बार में ही मंत्री बना दिया गया। यहां से लगातार चुनाव जीतती रही। वहां जनता के लिए खूब काम करवाए। टूरिज्म मिनिस्टर रहते हुए बहुत से प्रोजेक्ट जोड़े। इतना काम करने के बाद लास्ट चुनाव हार गई। सोचा इतना काम करने के बाद कोई कैसे हार सकता है। बीना काक ने बताया- इस दौरान सलमान खान मुझसे जुड़े हुए थे। उन्हें लगा कि मैं डिप्रेशन में चली जाऊंगी। उन्होंने मुझे मुंबई बुला लिया। उन्होंने मुझे 'मैंने प्यार क्यूं किया' फिल्म ऑफर की। मैंने कहा कि एक्टिंग तो आती नहीं। तब उन्होंने कहा कि इतना ड्रामा किया हुआ है। यह भी कर लोगी। यहां फिर डेविड धवन ने स्क्रीन टेस्ट लिया। फिर यह फिल्म बनी। इस फिल्म के किरदार को खूब पसंद किया गया। यह भी एक्सीडेंटली ही हुआ।

रोडीज फेम रणविजय के साथ टॉक शो हुआ

रणविजय ने बताया- मुझे एडवेंचर बहुत पसंद था। मेरे परिवार में अधिकांश लोग आर्मी में थे। इसलिए सोचता था कि आर्मी में एडवेंचर कर पाऊंगा। इसके चलते मैंने एग्जाम भी पास कर लिया। उस वक्त मैंने पापा से करिज्मा बाइक मांगी थी। वह उस समय सबसे चर्चित बाइक थी। इसी दौरान रोडीज का एड आ गया। उसमें विनर को करिज्मा बाइक मिलने वाली थी। मैंने पापा से कहा- मैं इस शो को जीतकर फ्री में बाइक लेना चाहता हूं। उनसे अपनी मांग मनवा ली। फिर रोडीज में एंट्री पा ली। पता चला कि सिविल लाइफ में भी एडवेंचर कर सकते हैं। यहां से मैंने डिसाइड कर लिया कि अब एक्टिंग ही करनी है। हालांकि यह आसान नहीं था। पूरा परिवार इस प्लानिंग में था कि मैं कौन सी बटालियन जॉइन करूंगा। मैंने भी एग्जाम के वक्त सोच लिया था कि आर्मी में राजपूताना बटालियन जॉइन करूंगा। क्योंकि पापा भी इसी बटालियन का हिस्सा थे। हालांकि इस तरह का हुआ कुछ नहीं। मैंने अपनी राह पकड़ी और अपने सपने को पूरा किया।

जयपुर में कल शाम से नहीं आएगा पानी

लोगों को ज्यादा से ज्यादा स्टोर करके रखना होगा पानी

जयपुर. कासं। शहर में आमजन के लिए ये खबर जरूरी है। शहर में कल शाम से पानी की सप्लाई नहीं होगी। जिन घरों में शाम को पानी की सप्लाई होती है उन्हें 26 फरवरी से पानी मिलना शुरू होगा। ऐसे में अब दो दिन जरूरत के अनुसार पानी की खपत करनी होगी और आज शाम आने वाले पानी को ज्यादा से ज्यादा स्टोर करके रखना होगा। गर्मी का सीजन शुरू होने के साथ ही पानी की बढ़ती मांग को देखते हुए पब्लिक हैल्थ एंड इंजीनीयरिंग डिपार्टमेंट (पीएचईडी) ने अगले सप्ताह से 220 एमएलडी पानी की सप्लाई बढ़ाने का निर्णय किया है। इस व्यवस्था को शुरू करने के लिए कुछ काम जयपुर में करने है, जिसके कारण शहर में 2 दिन पानी की सप्लाई बंद रखा जाएगा। पीएचईडी के एडिशनल चीफ इंजीनीयर आर.सी मीणा ने बताया कि जयपुर में शट डाउन 24 से 26 फरवरी को लिया जाएगा। इस दौरान पूरे शहर में पानी की सप्लाई बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि ज्यादा जरूरत पड़ने पर लोगों को टैंकर या स्थानीय ट्यूबवैल से पानी की सप्लाई करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अभी जयपुर में 600 एमएलडी पानी की सप्लाई बीसलपुर से की जा रही है, जबकि जयपुर के लिए बांध में 869 एमएलडी पानी रिर्जव रखा है। इसमें से शेष रहे 269 एमएलडी में से 220 एमएलडी पानी की सप्लाई बढ़ाई जाएगी, ताकि गर्मियों में लोगों को ज्यादा पानी उपलब्ध हो सके।

ईश्वरीय प्रजापति ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय अजमेर के शास्त्री नगर मे कार्यक्रम आयोजित

अजमेर. शाबाश इंडिया

12 ज्योतिर्लिंग गम के दर्शन का ईश्वरीय प्रजापति ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय अजमेर के शास्त्री नगर स्थित प्रभु प्रसंग भवन में विशाल कार्यक्रम रखा गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिगंबर जैन महासंघ के महामंत्री प्रकाश जैन रहे तथा विशिष्ट अतिथि डॉ अशोक चौधरी रहे। अजमेर की प्रमुख संचालिका शांता बहन जी और आशा बहन जी ने अतिथियों का स्वागत किया। 40 दिन की सेवा के पश्चात 12 शिवलिंग का निर्माण किया गया जो बहुत ही रमणीक थे।शांता दीदी के द्वारा शिव ध्वजारोहण किया गया। सभागार में उपस्थित भाई और बहनों ने बड़ी भक्ति से इस पर्व को मनाया। प्रकाश जैन ने संस्था का आभार जताते हुए पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की तथा कहा कि ईश्वरीय प्रजापिता विश्वविद्यालय में आम लोगों को आध्यात्मिक की धारा से जोड़ने की प्रेरणा मिलती है इस अवसर पर सभी केंद्रों की बहने व भाई उपस्थित थे।

प्राइड ऑफ भारत अवार्ड व द ग्लैमडोर ग्लोबल आईकन अवार्ड शो का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। गठजोड़ फिल्म्स एन्ड एंटरटेनमेंट की ओर से वी वन प्राइड होटल में ''द ग्लैमडोर ग्लोबल आइकन अवार्ड'' व प्राइड ऑफ भारत अवार्ड का आयोजन सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अखिल शुक्ला रहे। अवार्ड समारोह के दौरान गठजोड़ फिल्म्स की नई शार्ट फिल्म ''स्पेशल गिफ्ट'' के पोस्टर का विमोचन भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अखिल शुक्ला, फिल्म निमार्ता निर्देशक अमित बाकोडिया, प्रख्यात अभिनेता राज जांगिड़, फिल्म निमार्ता बब्बन सिंह राजावत, बोधि ट्री की ओनर शुभा गुप्ता व सिद्दी गुप्ता, बेटी फाउंडेशन के डायरेक्टर राज शर्मा एवं राहुल शर्मा, टोटल मेकओवर की फाउंडर मीनाक्षी चैधरी, श्री गोविंद सिंह, अनिता शर्मा, अविनाश शर्मा, नेहा विजय, मॉडल निकिता सोनी सहित विभिन्न गणमान्य हस्तियों के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर शार्ट फिल्म ''स्पेशल गिफ्ट'' का टीजर भी लांच किया गया। इस फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस हेजल अरोड़ा एवं महावीर कुमार सोनी ने अभिनय किया है तथा फिल्म का निर्देशन मिताली सोनी ने किया है। कार्यक्रम में देश की विभिन्न शख्सियतों को ''द ग्लैमडोर ग्लोबल आईकन'' अवार्ड से नवाजा गया।

नारायण सेवा का 39वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह 25-26 को

''जल ही जीवन'' संदेश के साथ 51 दिव्यांग जोड़े लेंगे सात फेरे

उदयपुर. शाबाश इंडिया

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में दिव्यांग पुनर्वास प्रकल्प के तहत आगामी 25-26 फरवरी को सेवा महातीर्थ, बड़ी में 39वां निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह होगा। जिसमें राजस्थान सहित 6 राज्यों के 51 निर्धन एवं दिव्यांग जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर गृहस्थ जीवन में प्रवेश करेंगे। संस्थान मीडिया प्रभारी विष्णु शर्मा हितैषी ने बताया कि इस आयोजन में सम्पूर्ण भारत वर्ष के अतिथि उपस्थित होकर नवयुगल को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। विवाह की तैयारियों को विभिन्न समितियां गठित कर अंतिम रूप दे दिया गया है। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से अब तक सर्वसमाज के 2200 दिव्यांग एवं निर्धन जोड़ों की गृहस्थी बसाने में सहयोग किया जा चुका है। संस्थान जनसंपर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़ ने कहा कि राजस्थान, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखण्ड, मध्यप्रदेश और गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले इन जोड़ों व उनके परिजनों

के सम्पूर्ण सुविधा युक्त आवास, यातायात, भोजन आदि की व्यवस्था सेवा महातीर्थ, बड़ी में की गई है। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से करीब 1500 अतिथि भी भाग लेंगे। जिनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट व सिटी रेलवे स्टेशन पर स्वागत कक्ष स्थापित किए गए है। यहां से उन्हें नियुक्त साधकगण वाहनों से उनके लिए निर्धारित आवास स्थल पर पहुंचाएंगे। अतिथियों व नवयुगलों की सुविधा व सहायतार्थ अनेक समितियों का गठन किया गया है। जो स्वागत-सम्मान, भोजन, साफ-सफाई, पंजीयन, यातायात, वर-वधु व्यवस्था, अतिथि आगमन, आवास, सुरक्षा एवं चिकित्सा व्यवस्था देखेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार सामूहिक विवाह का ध्येय वाक्य (थीम) ह्यजल ही जीवनह्व होगा। इसमें नवयुगलों को सात फेरों के वचन के साथ यह शपथ भी दिलाई जाएगी कि जल का दुरूपयोग नहीं करेंगे। शिविर संयोजक नरेंद्र सिंह चौहान ने विवाह कार्यक्रम की जानकारी देते कहा 25 फरवरी को शुभ मुहूर्त में संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश ''मानव'', कमला देवी अग्रवाल सहित विशिष्ट अतिथियों के सान्निध्य में गणपति स्थापना की जाएगी। बाद में वर वधू के हल्दी की रस्म और गीत-नृत्य के बीच मेहंदी की रस्म भी होगी। अगले दिन 26 फरवरी, रविवार को सेवा महातीर्थ परिसर में ही बिन्दोली, तोरण और वरमाला की पारंपरिक रस्में होंगी। शुभ मुहूर्त में सेवा महातीर्थ के भव्य पाण्डाल में बनाए गए 51 अग्निकुण्ड में वैदिक रीति से विवाह सम्पन्न होगा। प्रत्येक वेदी पर एक आचार्य उन्हें अग्नि के सात फेरे लगवायेंगे। सभी नवयुगलों को विवाहोपरांत अतिथियों द्वारा उपहार सहित संस्थान की ओर से नव गृहस्थी के लिए आवश्यक सभी सामान प्रदान किया जाएगा।

रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज का मंगल विहार उदगांव की ओर हुआ

निमियाघाट, पारसनाथ. शाबाश इंडिया। सिद्ध क्षेत्र निमियाघाट में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सपन्न कर मंगल विहार भारत गौरव साधना महोदधि विश्व के प्रथम सिंहनिष्क्ड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का विहार निमियाघाट से 23 फरवरी को हुआ ।आज प्रातः गुरु भक्ति के साथ पारसनाथ की छत्र छाया में अभिषेक,बृहद शांतिधारा विश्व शांति कल्याण मंदिर विधान

निमियाघाट में किया दिन में सामयिक स्वाध्याय कर सेकड़ो भक्तों को मंगल आशीर्वचन में बताया कि यह निमियाघाट एक अतिशय क्षेत्र है मैं आज से 661 दिन पूर्व अप्रैल 2021 में निमियाघाट मे अपने 2 मुनिराजों के साथ आया था यहां आने के बाद जून 2021 में पांच दीक्षा निमियाघाट की धरती पर हुई थी और अभी सम्मेद शिखर में यात्रा कर वापस निमियाघाट आया तो 17 पीछी हो गई है यह इस धरती का प्रभाव है ये क्षेत्र अतिशय क्षेत्र ही नही सिद्ध क्षेत्र भी है । यहां आने से सम्मेद शिखर के पहाड़ पर विराजित पारसनाथ टोंक के दर्शन होता है यह भूमि बहुत ही ऊजार्वान है मैं सभी लोगों से कहता हूं कि जब भी सम्मेद शिखर आए इस निमियाघाट के अतिशय युक्त 1008 पारसनाथ भगवान का दर्शन अवश्य करें इस क्षेत्र में ये सबसे पुरानी पारसनाथ की प्रतिमा है यहां मन से भी जो भी मांगो आपकी सभी कार्य पूर्ण होते है। आचार्य श्री ने सभी भक्तों को खूब-खूब आशीर्वाद दिया ओर कहा की सम्मेद शिखर के पारसनाथ के स्वर्णभद्र कूट पर तपस्या का एक अनमोल छण प्राप्त किया इस मंगल विहार में संघपति दिलीप जैन हुम्मड ,डी. के.जैन अहमदाबाद, मनोज-नीलू जैन छाबडा ,अजय जैन छाबडा लालगोला ,आकाश जैन इंदौर, दिगम्बर सिंह, आदि मौजूद थे। जैन राज कुमार अजमेरा,मनीष सेठी अन्तर्मना कोडरमा मीडिया प्रभारी ।

पंडित राजकुमार जवड़ा स्मृति समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर कत्थक घराने के पंडित राजकुमार जवड़ा की प्रथम पुण्यतिथि पर जयपुर घराने का शुद्ध पारंपरिक कत्थक नृत्य देखने को मिला। जिसमे जयपुर घराने की युवा कत्थक जोड़ी चेतन कुमार जवड़ा एवं भवदीप जवड़ा ने अपनी प्रस्तुति दी। इसके बाद गुरु संगीता सिंघल, गुरु जयराज जवड़ा ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया तत्पश्चात दीपक जवड़ा व गौरव जवड़ा ने युगल नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुछ वरिष्ठ नृत्यगुरु व वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान भी किया गया जिसमे नृत्याचार्या डॉ शशि साँखला, अभिनेत्री श्रीमती उषा श्री एवं वरिष्ठ कला समीक्षक इकबाल

खान व वरिष्ठ लेखक सर्वेश भट्ट रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कला एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त सचिव जगदीश आर्य जी रहे। गुरु के चरणों में मनस्वी पचीसिया ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। संगतकार कलाकार गायन व हारमोनियम पर रमेश मेवाल और साँवरमल कत्थक तबले पर परमेश्वरलाल कत्थक सितार पर किशन कत्थक पखावज व पढ़ंत पर भवदीप जवड़ा रूपसज्जाकार भुवनेश भटनागर रहे। मंच का संचालन राजेश आचार्य द्वारा किया गया ।

वेद ज्ञान

महानता को समझें...

मनुष्य की महानता की पहचान उसके पद, अधिकार, ऐश्वर्य या धन-संपदा से नहीं, बल्कि उसकी विनम्रता, उदारता और कर्तव्य परायणता से होती है। व्यक्ति का चरित्र ही उसकी महानता की सच्ची कसौटी है। यानी उसके चरित्र की पूर्ति धन, यश, विद्वत्ता आदि में से कोई नहीं कर सकता। महान व्यक्ति अपने चरित्र की पवित्रता बनाए रखने के लिए हर तरह के त्याग के लिए हमेशा तैयार रहता है। चरित्र के बगैर व्यक्ति का जीवन वैसा ही है जैसे रीढ़ की हड्डी के बगैर शरीर। स्वामी विवेकानंद के शरीर पर भगवा वस्त्र और पगड़ी को देखकर एक विदेशी व्यक्ति ने टिप्पणी की थी। यह आपकी कैसी संस्कृति है। तन पर केवल एक भगवा चादर लपेट रखी है। कोट-पैंट जैसा कुछ भी पहनावा नहीं है। इस पर स्वामी जी मुस्कराए और बोले- हमारी संस्कृति आपकी संस्कृति से बिल्कुल अलग है। आपकी संस्कृति का निर्माण आपके दर्जी करते हैं, जबकि हमारी संस्कृति का निर्माण हमारा चरित्र करता है। संस्कृति वस्त्रों में नहीं, बल्कि चरित्र के विकास में है। हमारे चरित्र का निर्माण हमारे विचार करते हैं। इसलिए चरित्र को बदलने के लिए विचारों को बदलना जरूरी होता है। असल में ज्ञान का सामान्य अर्थ जानकारी है, लेकिन वास्तविक ज्ञान आत्मज्ञान की जानकारी है। आत्मज्ञान ही वह अमृत है जिसे पाने के बाद और कुछ पाना शेष नहीं रह जाता। एक संत के पास उनका एक शिष्य आया और उनसे पूछा, 'मैं कौन हूं?' गुरुजी ने एक थाली में पानी भरकर कहा था इसमें अपना मुख देखोगे तो तुम अपना साक्षात्कार कर लोगे। जब शिष्य ने उसमें अपना मुख देखा तो उसे लगा कि वह अति सुंदर है, लेकिन अगले ही पल उसे महसूस हुआ कि समय के साथ उसके मुख का स्वरूप भी बदल जाएगा और तब वह इतना सुंदर नहीं रहेगा। उसी पल उसे अपने सुंदर मुख से घृणा होने लगी और वह यह बात समझ गया कि जो चीज कुछ समय बाद जीर्ण-क्षीण हो जाए वह उसका स्वरूप कैसे हो सकता है। जब व्यक्ति 'मैं' को त्यागता है तभी वह महान बनता है। 'मैं' का त्याग तभी संभव है जब व्यक्ति खुद पर संयम रख सके। खुद पर काबू रखने वाला व्यक्ति आत्मप्रशंसा से बचता है जिससे उसमें धीरज, सेवा, शुद्धता, शांति, आज्ञा, अनुशासन और मेहनत के भाव पनपते हैं।

संपादकीय

बर्बादी के आखिरी मोड़ पर आया पाकिस्तान

पाकिस्तान की माली हालत बरसों से खराब है। इस समय जब पूरी दुनिया मंदी के दौर से गुजर रही है, उसकी स्थिति बेहद नाजुक हो चुकी है। अब तो वहां के रक्षामंत्री ने सार्वजनिक रूप से कह दिया है कि हम एक दिवालिया हो चुके देश में रह रहे हैं। उन्होंने इस स्थिति के लिए राजनेताओं, नौकरशाहों और सेना को जिम्मेदार ठहराया है। पिछले काफी समय से पाकिस्तान के लोग आटा, पेट्रोल, सब्जियों आदि की कीमतें आसमान पर पहुंच जाने को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी अपनी पदयात्रा के दौरान पाकिस्तान के खस्ता हाल को लेकर वहां के हुक्मरान पर तीखा हमला बोला, तो उन्हें अपार जनसमर्थन मिला। ऐसी स्थिति में अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने सुझाव दिया है कि अगर पाकिस्तान को अपनी माली हालत सुधारनी है, तो उसे अधिक कमाई करने वालों पर अधिक कर लगाने और कम कमाई वालों को कर में राहत देने का कदम उठाना चाहिए। मगर इस

सुझाव पर पाकिस्तान के लिए अमल करना खासा मुश्किल काम होगा। जिस तरह पाकिस्तान की हुकूमत पर सेना और नौकरशाहों का लगातार वर्चस्व बना रहता है, उसमें सरकार इस तरह का फैसला करने की हिम्मत नहीं जुटा सकती। जाहिर है, इस वक्त पाकिस्तान की मौजूदा हुकूमत के लिए आगे कुआं पीछे खाई वाली स्थिति है। दरअसल, पाकिस्तान ने कभी अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गंभीर प्रयास किया ही नहीं। वहां की हुकूमत और सेना के बीच वर्चस्व की लड़ाई हमेशा बनी रही, जिसमें सेना का ही पलड़ा भारी रहा। इसका नतीजा यह हुआ कि सेना के अधिकारी और नौकरशाह जब मन हुआ सरकार की बांह मरोड़ कर अपने पक्ष में फैसले कराते रहे हैं। सेना ने पाकिस्तान में तमाम महंगी जगहों और व्यावसायिक गतिविधियों पर अपना कब्जा जमा लिया। सरकार अपने दैनिक खर्चों के लिए भी कर्ज और दूसरे देशों की मदद पर निर्भर होती गई। कभी उसने अमेरिका से नजदीकी बनाए रखी, तो अब चीन के पाले में खिसक गया है। फिर देश की मुफलिसी पर पर्दा डालने के लिए पड़ोसी मुल्क भारत के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दिया जाता रहा, जिसमें सेना और वहां की खुफिया एजेंसी सरकार को कठपुतली की तरह नचाती रही हैं। इस तरह वहां की अवाम को लगता रहा है कि पाकिस्तान में मुफलिसी के पीछे भारत की बड़ी भूमिका है। मगर अब वहां के लोग सेना और सरकार की इस चाल को समझ गए हैं और सरकार से मुल्क की कंगाली पर जवाब चाहते हैं। अब पाकिस्तान ऐसे मुहाने पर पहुंच गया है, जहां से लौटना उसके लिए आसान नहीं रह गया है। वह चीन की अंतरराष्ट्रीय राजनीति का मोहरा बन चुका है। इसी तरह चीन के चंगुल में श्रीलंका भी फंसा हुआ था, मगर वह उसे आर्थिक बदहाली से बाहर नहीं निकाल पाया। पाकिस्तान भी उसी स्थिति में पहुंच गया है। मगर उसे इसका अहसास नहीं कि बाहर की इमदाद से देश की माली हालत नहीं सुधर सकती। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

खतरे में बचपन...

अपराधों के शिकार बहुत सारे बच्चे और उनके परिजन इंसाफ के आस में बैठे हैं। किसी भी देश और समाज में अपराधों पर काबू पाने की कड़ी व्यवस्था के बावजूद अगर आपराधिक घटनाओं पर लगाम नहीं लग पाती, तो यह सरकार और तंत्र की नाकामी का ही सबूत है। मगर इसमें भी अगर बच्चों के खिलाफ न सिर्फ अपराध की घटनाएं लगातार जारी हों, बल्कि उनमें न्याय मिलने की दर भी काफी धीमी हो तो यह एक बेहद अफसोसनाक स्थिति है। हमारे देश में बच्चों के बहुस्तरीय उत्पीड़न और उनके यौन शोषण जैसे अपराधों की रोकथाम में जब पहले के कानूनी प्रावधान नाकाफी साबित हुए, तब पाक्सो यानी यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम जैसी विशेष व्यवस्था की गई। मगर आज भी हालत यह है कि इस कानून के तहत परिभाषित अपराधों के शिकार बहुत सारे बच्चे और उनके परिजन इंसाफ के आस में बैठे हैं। सवाल है कि बच्चों को जघन्य अपराधों से बचाने और न्याय दिलाने के लिए विशेष तंत्र गठित किए जाने के बावजूद ऐसे मामलों की सुनवाई या इस पर फैसला आने की रफ्तार इस कदर धीमी क्यों है? गौरतलब है कि हाल में संसद में सरकार ने यह जानकारी दी है कि देशभर में बच्चों के खिलाफ अपराध की धाराओं के तहत दर्ज पचास हजार से ज्यादा मामलों में बच्चों को न्याय का इंतजार है। ये वे मामले हैं, जो एक साल के भीतर दर्ज किए गए हैं। जहां कम से कम दर्ज मामलों को ही निर्धारित या फिर जल्दी निपटाने और न्याय की व्यवस्था होनी चाहिए थी, वहीं अब केंद्र सरकार इससे संबंधित मुकदमों को अंजाम तक पहुंचाने के लिए समय को तीन वर्ष और बढ़ाने की तैयारी कर रही है। खुद कानून मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल तक यौन अपराध के लंबित मामलों में उत्तर प्रदेश अव्वल है, जहां अकेले बाल यौन शोषण के अड़सठ हजार दो सौ अड़तीस मामले विचाराधीन हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि केंद्रशासित प्रदेश और राज्यों के पास कुल एक लाख अट्ठानबे हजार दो सौ आठ मामले लंबित पड़े थे, जिनमें से सरकारी एजंसियों ने कुल चौंसठ हजार नौ हजार उनसठ का निपटारा किया है। यह तब है जब इस प्रकार के मुकदमों की सुनवाई और फैसले के लिए सात सौ अड़सठ त्वरित विशेष अदालतों का गठन किया गया है, जिनके तहत चार सौ अठारह विशिष्ट पाक्सो न्यायालय मौजूद हैं। यही नहीं, पाक्सो के तहत दर्ज मामले में त्वरित सुनवाई और सजा दिलाने के लिए दो महीने की समय सीमा भी तय की गई है। मगर व्यवस्था के बरक्स हकीकत बहुत अलग है। यह छिपा नहीं है कि यौन शोषण और इस प्रकृति के अन्य उत्पीड़न के लिहाज से बच्चे हर जगह और हर वक्त किस स्तर के जोखिम से गुजरते हैं। घर के बाहर से लेकर दहलीज के भीतर भी कई स्तरों पर उन्हें यौन उत्पीड़न और शोषण को झेलना पड़ता है। सामाजिक आग्रह और सोचने-समझने के सलीके इस कदर तंगनजरी के शिकार हैं कि कई बार आरोपी व्यक्ति के अपने परिवार या पड़ोसी होने की वजह से मामलों को दबा दिया जाता है। कहा जा सकता है कि एक ओर समाज में परंपरागत मानस और रूढ़ धारणाओं की वजह से तो दूसरी ओर सरकारी और न्यायिक तंत्र की जटिल व्यवस्था के चलते बच्चों को अपने खिलाफ होने वाले यौन अपराधों से उपजी जटिलताओं का सामना करना पड़ता है।

रवि ने नेशनल सिटिंग वालीबॉल में जीता कांस्य पदक

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। पैरालंपिक वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में पिछले दिनों तमिलनाडु के तंजावर जिले में आयोजित ग्यारहवीं नेशनल सीनियर सिटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ । जिसमें राजस्थान टीम ने भी भाग लिया एवं विजय होकर तीसरे स्थान पर रह कर प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया । अजमेर डिसेबल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र गांधी ने बताया कि राजस्थान की टीम में अजमेर के रवि कुमार बंजारा ने भाग लेकर लगातार 3 वर्षों से मेडल प्राप्त किया । यह सम्मान प्राप्त करने पर जिला कलेक्टर अंश दीप ने माला पहना कर रवि बंजारा का स्वागत कर उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि दिव्यांग होना कमजोरी नहीं बल्कि होंसला बड़ी चीज हैं और आगे भी और कामयाबी के लिए शुभकामनाएं दी ।

श्री नाकोड़ा तीर्थ ट्रस्ट की नवकार्यकारिणी का स्वागत एवं सम्मान किया

नाकोड़ा. शाबाश इंडिया

हाल ही में संपन्न हुए नाकोड़ा के प्रसिद्ध धाम श्री नाकोड़ा तीर्थ ट्रस्ट के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश मुथा मांडवला एवं उपाध्यक्ष लूणकरण बोथरा का स्वागत एवं सम्मान ऑल इंडिया भैरव दरबार के संस्थापक अध्यक्ष महेश महावीर चौधरी द्वारा किया गया एवं भावना बहाई की कि तीर्थ के विकास में सदैव अग्रणी रहकर अपना एवं अपनी मातृभूमि का नाम रोशन करें और नाकोड़ा तीर्थ ट्रस्ट उत्तरोत्तर प्रगति करें ऐसी शुभकामनाएं दी।

श्री अरनाथ महामंडल विधान महा अर्चना में झूमे श्रद्धालु

शताधिक जोड़े हुए शामिल, निकाली गई दिग्विजय यात्रा

नवागढ़ महोत्सव हुआ शुरू

ललितपुर. शाबाश इंडिया

महरौनी विकासखंड में सोजना के पास स्थित सुप्रसिद्ध प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में नवागढ़ महोत्सव 2023 विधिवत रूप से वृहस्पतिवार को शुरू हो गया। महोत्सव मंगलाष्टक, दिग्बन्धन , सकलीकरण के साथ शुरू हुआ। अभिषेक, शांतिधारा की गई। अतिशयकारी मनोकामना पूर्ण अरनाथ स्वामी की महा अर्चना शताधिक जोड़ों ने संपन्न करते हुए पुण्यार्जन किया, भक्ति नृत्य के साथ मण्डल पर अर्घ्य समर्पित किए। कमेटी के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि महोत्सव के चक्रवर्ती अभिनव जैन -श्वेता जैन, सौधर्मेंद्र अनुराग जैन -मुक्ता जैन ललितपुर, महायज्ञनायक कुलदीप जैन-सविता जैन, यज्ञ नायक डॉ भरत मीना जैन गुढ़ा, ईशान इंद्र राकेश जैन -शशी जैन,सनत इंद्र-प्रकाश चंद्र जैन -प्रभा जैन बड़ागांव, महेंद्र इंद्र जयकुमार जैन- प्रीति जैन मैनवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ। महा अनुष्ठान की समस्त क्रियाविधि ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत भैया के निर्देशन में प्रख्यात प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद कुमार जी रजवास व पंडित मनीष जैन संजू के प्रतिष्ठाचार्यत्व में संपन्न हुआ। विधान में संगीत की सुमधुर ध्वनि पुष्पेंद्र एंड पार्टी ने दी। आदिनाथ चैनल के डायरेक्टर राजेश कुमार एवं आकाश जैन के माध्यम से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। क्षेत्र के अध्यक्ष सनत कुमार एडवोकेट, महामंत्री वीरचंद्र जैन नेकौरा, संयुक्त मंत्री अशोक कुमार जैन मैनवार, राकेश कुमारजैन, उपाध्यक्ष कपूरचंद जैन, प्रकाश चंद्र जैन,कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार जैन टीकमगढ़, सह कोषाध्यक्ष पंडित इन्द्रकुमार जैन, ऑडिटर प्रकाश चंद्र, बच्चू बड़ागांव ने सभी से इस महान अनुष्ठान में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रदीप जैन, अनुभव जैन एवं रमेश जैन छतरपुर को प्राप्त हुआ। श्वेता जैन, स्वाती जैन, प्रियल जैन, मीना जैन, सविता जैन आदि ने विधान के मंडल पर पांच कलश कलश स्थापना का अवसर प्राप्त किया। अखंड ज्योति प्रज्वलित करने का अवसर पुष्पा जैन-इंजी. शिखरचंद जैन को प्राप्त हुआ। वात्सल्य भोज अनुपम जैन, मीनाक्षी जैन, श्रेया एवं संयम जैन की पुण्य स्मृति में नरेंद्र जैन, रीता जैन लोक विहार दिल्ली की ओर से हुआ। इस मौके पर विधान के मण्डल पर अष्ट प्रातिहार्य और अष्ट मंगल द्रव्य की स्थापना पुण्यार्जको द्वारा की गई। रात्रि में संभावना समग्र समिति सागर के द्वारा बुंदेली लोक नृत्य की प्रस्तुति की गई।

भव्य अगवानी आज

नवागढ़ तीर्थक्षेत्र कमेटी के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि शुक्रवार की प्रातः की बेला में चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ 27 पिच्छी सहित नवागढ़ अतिशय क्षेत्र में प्रवेश करेंगे। भव्य अगवानी होगी। आपके मंगल सानिध्य में वर्ष में एकबार होने वाले महामस्तकाभिषेक एवं मानस्तंभ अभिषेक का पुनीत कार्य संपन्न होगा। दोपहर में त्यागीवृत्ति आवास का शिलान्यास संपन्न किया जाएगा। संध्याकाल में जवाबी कीर्तन का कार्यक्रम किया जाएगा। महोत्सव में सम्मिलित होने के लिए ललितपुर नगर के अटा जैन मंदिर से प्रातः 6 बजे निःशुल्क बसों की व्यवस्था की गई है।

फैटी लीवर क्यों हो जाता हैं इससे कैसे बचें?

महत्वपूर्ण अंग होने के कारण लिवर में एक बेमिसाल गुण है. वह यह है कि लिवर खुद की भी मरम्मत कर लेता है. लेकिन जब फैट की मात्रा बहुत अधिक बढ़ जाए तो कभी-कभी लिवर में फैटी लिवर डिजीज हो जाता है...

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय
राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

फैटी लीवर क्यों हो जाता हैं इससे कैसे बचें? क्यों होती है फैटी लिवर की समस्या? सबसे अहम दो कारण हैं एक तो ज्यादा मात्रा में शराब पीना और दूसरा है खान-पान का ध्यान न रखना. वैसे इन कारणों के बावजूद कई और भी कारण हैं जिससे फैटी लिवर की समस्या हो सकती है. फैटी लिवर डिजीज उन व्यक्तियों को भी हो सकता है जो शराब नहीं पीते हैं. इसे नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज कहते हैं. फैटी लिवर डिजीज में लिवर में अतिरिक्त फैट जमा होने लगता है जो लिवर के सामान्य कामकाज को प्रभावित करता है. फैटी लिवर डिजीज लिवर की ऐसी बीमारी है जिसमें फैट या चर्बी की मात्रा ज्यादा होने के कारण लिवर में फैट जमा होने लगता है. लिवर शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो खून में मौजूद अधिकांश केमिकल पर नियंत्रण रखता है और पित्त या बाइल को उत्सर्जित करता है. इस पित्त की मदद से लिवर में बन रहे अपशिष्ट पदार्थ को बाहर निकालने में मदद मिलती है. लिवर खून में मौजूद सभी तरह के हानिकारक पदार्थों को शरीर से बाहर निकाल देता है. पेट और आंतों से निकलने वाला सारा खून लीवर से होकर गुजरता है. लिवर में कई पोषक तत्वों को स्टोर करने की क्षमता होती है. इसके अलावा यह शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन का निर्माण करता है जिससे ऊर्जा बनती है और हम सब इस ऊर्जा का इस्तेमाल अपने काम काज में करते हैं. इतना महत्वपूर्ण अंग होने के कारण लिवर में एक बेमिसाल गुण है. वह यह है कि लिवर खुद की भी मरम्मत कर लेता है. लेकिन जब फैट की मात्रा बहुत अधिक बढ़ जाए तो कभी-कभी लिवर में फैटी लिवर डिजीज हो जाता है. यह घातक हो सकता है. फैटी लिवर डिजीज से लिवर सिरोसिस हो सकता है जो जानलेवा है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर की 7 दिवसीय कश्मीर यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर की कश्मीर यात्रा 15 फरवरी से 21 फरवरी 2023 तक सम्पन्न हुई । ग्रुप अध्यक्ष सुनील बज ने बताया कि यात्रा में जाने वाले ग्रुप के दम्पति सदस्यों ने यात्रा की पूर्व संध्या पर महावीर नगर जैन मंदिर में श्री पार्श्वनाथ भगवान की आरती की एवं णमोकार मन्त्र का जाप किया। ग्रुप के 41 सदस्य 15 फरवरी को सवेरे 5.30 बजे इंडिगो की फ्लाइट से जयपुर वाया देहली होते हुए श्रीनगर पहुंचे। वहां से होटल सिक्स सीजन में ठहरे। श्रीनगर में शंकराचार्य टेम्पल देखा, तथा रात्रि विश्राम किया। दूसरे दिन घुड़सवारी से दूधपथरी देखा। श्रीनगर से पहलगाम जाते वक्त रास्ते मे केसर के बाग देखते गये। वहां पर घुड़सवारी से मिनी स्विजरलैंड गये। तथा दूसरे दिन पहलगाम में बेताब वैली भी गये। रात्रि में होटल में अलाव के साथ गाना डांस रखा गया जिसका सभी सदस्यों ने खूब आनंद लिया। पहलगाम से गुलमर्ग जाते वक्त रास्ते मे ब्रेड फैक्ट्री तथा क्रिकेट बेट फैक्ट्री देखने गये । सचिव विनोद बड़जात्या के अनुसार गुलमर्ग में गंडोला केबल (फर्स्ट फेज) से गये वहां पर स्नो बाइक से भृमण किया तथा स्नो फॉल का आनंद लिया। गुलमर्ग से श्रीनगर डल लेक में हाउसबोट में रात्रि में ठहरे तथा शिकारा राइड किया। श्रीनगर में निशांत गार्डन तथा बोटोनिकल गार्डन देखा। ग्रुप में सभी सदस्य 58 वर्ष से ऊपर के सीनियर सिटीजन थे। सभी को जैन फूड उपलब्ध करवाया । यात्रा के दौरान सदस्यों ने कुसुम जैन, विनोद बड़जात्या, सचिव का जन्मदिन व सुनील सुमन बज अध्यक्ष की वैवाहिक वर्षगाँठ की बधाई दी। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती सुशीला बड़जात्या को कश्मीर टूर के सफलता पूर्वक आयोजित करने के लिये सभी सदस्यों ने भूरी भूरी प्रसंशा की।

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक
R K GROUP
lasting impressions
Kishangarh, Rajasthan
www.rkmarble.com | www.wondercement.com
WONDER CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT

सह प्रायोजक
ARL
ARL Infratech Ltd.

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 25 फरवरी 2023

समय : सायं 7.00 बजे से

:: स्थान ::

भट्टारक जी की नशियां,
नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार (हास्य सम्राट)

श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच (हास्य एवं राज. गीतकार)

श्री शम्भू शिखर (हास्य पैरोडी सम्राट)

श्री सुनील व्यास मुंबई (हास्य व्यंग्य)

श्री पी.के. मस्त (हास्य व्यंग्य)

स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला (श्रृंगार)

श्री कमलेश जैन 'वसन्त' (मंच संचालन)

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव
श्रीमान् अशोक जी पाटनी
आर. के. मार्बल ग्रुप

मुख्य अतिथि
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया
ए. आर. एल. ग्रुप

अध्यक्षता
श्रीमान् विनोद जी तिजारिया
प्रमुख समाज सेवी

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा
सम्पादक-दैनिक समाचार जगत

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् निर्मल जी सौगानी
सदस्य-नेशनल रोड़ सेफ्टी कॉउन्सिल (NRSC)

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् विनय जी सौगानी
प्रमुख व्यवसायी एवं समाज सेवी

विशिष्ट अतिथि
डॉ. पी.सी. जैन
प्रमुख समाज सेवी

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् जितेन्द्र जी गंगवाल
मेडिकल व्यवसायी एवं समाज सेवी

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के आमंत्रित इन्दौर से राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

जयपुर मे प्रथम बार आगमन

राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमान् राकेश जी विनायका

राष्ट्रीय महासचिव
श्रीमान् विपुल जी बॉझल

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमान् कमलेश जी कासलीवाल

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमान् विमल जी अजमेरा

संयुक्त सचिव
श्रीमान् आशीष जी सूत वाले

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं ।

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक	परामर्शक	समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक
यश कमल - संगीता अजमेरा	दर्शन - विनीता बाकलीवाल	मनीष - शोभना लोंग्या	विनोद - हेमा सोगानी	चक्रेश -पिंकी जैन	राजेश - रानी पाटनी	अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या, संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन, विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप :: जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थंकर, ब्लू स्टार, पिंक पर्ल, वात्सल्य, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, जनक श्री, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी

ग्रुप संयोजक :: डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, सुनील बज, कैलाश चन्द बिंदायका, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील जैन, प्रमोद सोनी, अनिल पाटनी, रवि सेठी, ईजी. पी.सी. छाबड़ा, डॉ.मोहन लाल जैन 'मणी', राजेश चौधरी, श्रीमती बीना टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, महावीर बोहरा, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश–समता गोदिका	दिनेश–संगीता गंगवाल	मनीष–शोभना लोंग्या	सुनील–सुनीता गोदिका	चक्रेश–पिंकी जैन	राकेश–रेणु संघी	महेन्द्र–सुनिता कासलीवाल	अनिल–निशा संघी
अध्यक्ष	परामर्शक	कार्याध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव

अनिल–अनिता जैन	राजेश–रितु छाबड़ा	राजेश–रानी पाटनी	प्रदीप–प्राची बाकलीवाल	चेतन–डॉ.अनामिका पापडीवाल	कमल–मंजु ढोलिया	राजेन्द्र–कुसुम जैन
कोषाध्यक्ष	संगठन सचिव	संगठन सचिव	संयुक्त सचिव	संयुक्त सचिव	सांस्कृतिक सचिव	खेल सचिव

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ✲ डॉ अनुपम-विनीता जैन ✲ सपन-रजनी छाबड़ा ✲ नितेश-मीनू पाण्ड्या **विशेष आमंत्रित :** अशोक-अर्चना पाटनी ✲ अशोक सेठी

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या	अनिल जैन IPS	महेन्द्र कुमार पाटनी	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या	नवीन सेन जैन	यश कमल अजमेरा	अतुल बिलाला	पारस कुमार जैन	निर्मल संघी
अध्यक्ष	संस्थापक अध्यक्ष	वरिष्ठ परामर्शक	परामर्शक	परामर्शक	निर्वतमान अध्यक्ष	पूर्व अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	महासचिव

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

राकेश - समता गोदिका

अध्यक्ष : दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

सहयोग : "सभी एक दूसरे के पूरक"

शाबाश इंडिया

जीवन... बहुत खूबसूरत शब्द हैं, लेकिन सिर्फ तब तक, जब तक मौत से सामना नहीं होता. क्योंकि जिन्दगी की एक जरूरत हैं। रोटी का महत्व तब समझ में आता हैं, जब इन्सान भूख से तड़पता हैं। भूख की तड़प इन्सान को मौत से लाख गुना ज्यादा तड़पाती हैं ये बात केवल वहीं लोग समझ सकते हैं, जिनके पास भूख और मौत दोनों का अनुभव हो, इसलिए भूख और मौत की बात सोच समझकर करनी चाहिए, वरना मजाक बन जाता हैं जिनकी जेब में पैसा हैं, जिनके पास घर परिवार, दोस्तों या अजनबी लोगों का साथ हैं, उनके लिए भूख और मौत मजाक हैं देश में सब खुशहाल हैं जब जेब में एक रुपया भी नहीं हो, तब बिना गारन्टी के देश में गटर साफ करने का काम भी नहीं मिलता। इससे सब अन्जान हैं बहुत आसानी से बहुत लोग कह देते हैं कि हम अकेले खुश हैं हमें किसी जरूरत नहीं हैं, लेकिन खाली जेब और खाली पेट को किसी ना किसी सहारे की जरूरत अतिआवश्यक हैं। आदिमानव काल के बाद अभी तक ऐसा कोई इन्सान नहीं हुआ, जिसने बिना सहारें कुछ भी हासिल किया हो कृष्ण को बड़े होने तक पालने के लिए माँ बाप के सहारे की जरूरत पड़ी थी कभी शिव जी को विष्णु जी की, तो कभी ब्रह्मा जी , विष्णु जी और महेश जी सभी देवताओं को देवियों के सहारे की जरूरत पड़ी थी। हर इन्सान को दुनियाँ में जन्म लेने लिए माँ बाप की जरूरत हैं जन्म के बाद पालन पोषण के लिए भी जरूरत हैं अगर इन्सान खुद के दम पर पढ़ना लिखना चाहे, तब भी उसे कुछ इन्सानों की जरूरत पड़ती ही हैं जिनके पास कोई ना कोई सहारा होता हैं या जिन्हें कोई ना कोई सहारा मिल जाता हैं, उनके लिए यह सिर्फ प्रभाव जमाकर प्रभावित करके भीख माँगने वाली बातें हैं लेकिन दुनियाँ में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनको जन्म के बाद कोई सहारा नहीं मिलता और वो सड़कों पर, बस स्टैण्ड पर, रेल्वे स्टेशनों पर यहाँ वहाँ गन्दगी में आवारा जानवरों जैसी जिन्दगी जीते हैं सभ्य समाज के लगभग सभी लोगों को उन्हें देखकर घिन आती हैं कुछ लोगों को जन्म और पालन पोषण के बाद कोई सहारा नहीं मिलता, उनमें से ज्यादातर लोग भी यहीं जीवन जीते हैं कभी कभार कुछ भले लोग खाना कपड़ा दे जाते हैं, तो उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं होता इन सब के बाद कुछ लोग शुरूआत में अच्छा जीवन जीकर कभी अपनी खुद की गलतियों के कारण, कभी दूसरों की गलतियों के कारण इस हालात में पहुँच जाते हैं ये वो लोग होते हैं, जो अपना दिमागी संतुलन ठीक होने के बाद अपना जीवन सुधारने का सबसे अधिक प्रयास करते हैं. लेकिन इनको जानने वाले कुछ लोग इनके अतीत के कारण इनसे दूर रहते हैं, तो कुछ लोग इन पर अपना समय खराब नहीं करना चाहते ऐसे में ये लोग अजनबी लोगों से सहारा माँगते हैं, लेकिन वर्तमान समय में आधुनिक सोच वालों को यह नाटकबाजी या भीख माँगने का तरीका नजर आता हैं यहाँ कहने का मतलब ये नहीं हैं कि आँख बन्द करके किसी भी राह चलते पर विश्वास करो विश्वास तो कभी किसी पर करना ही नहीं चाहिए पहले पुरी जाँचझपड़ताल करनी चाहिए, सभी तरह के सवाल जवाब करने चाहिए, घर परिवार और भूत वर्तमान की सारी जानकारी लेनी चाहिए फिर अच्छी तरह सोच विचार करके कोई राय बनानी चाहिए जो अजनबी सामने हैं या जो अजनबी सहायता माँग रहा हैं, हमें उसकी सहायता करनी चाहिए या नहीं करनी चाहिए अगर कोई खुद के बारे में सवाल जवाब करने पर टाल मटोल या आनाकानी करें, तो इसका मतलब साफ हैं कि व्यक्ति झूठ बोल रहा हैं जो सच्चा और ईमानदार होगा, वो कोई शर्म किये बिना अपने बारें सब कुछ साफ साफ बता देगा क्योंकि छुपाया सिर्फ वो जाता हैं, जो गलत और नाजायज हो जिसमें धोखेबाजी और बेईमानी हो जिसकी नीयत में खोट हो लेकिन सही और जायज बातें बोलने वाले कभी झिझकते नहीं हैं उनसे कोई भी बात कभी भी पूछ सकते हैं, क्योंकि वो सच्चे और ईमानदार हैं।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

भट्टारक जी की नसियां में हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन शनिवार 25 को

देश के ख्यातनाम कवि सुनाएंगे कविताएं

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अंतर्गत दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन,जयपुर के तत्वावधान में व दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सहयोग से हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन 25 फरवरी को साय 7 बजे नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां के सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस कवि सम्मेलन में देश के ख्यातनाम कवि अपनी कविताओं से उपस्थित श्रोताओं को देर रात तक गुदगुदाएंगे। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या व महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि समारोह गौरव आरके मार्बल ग्रुप के चैयरमेन समाज गौरव अशोक पाटनी,मुख्य अतिथि एआरएल ग्रुप के नंदकिशोर,प्रमोद पहाड़िया, विशिष्ठ अतिथि समाचार जगत के संपादक शेलेन्द्र गोधा,दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र पांडया, प्रमुख समाजसेवी विनय सौगानी, डॉ.पीसी जैन,नेशनल रोड सेफ्टी काउंसिल के सदस्य निर्मल सौगानी मेडिकल व्यवसायी व समाजसेवी जितेन्द्र गंगवाल होंगे। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के अध्यक्ष राकेश समता गोदिका व सचिव अनिल-निशा संघी ने बताया कि इस मौके दीप प्रज्वलनकर्ता श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी व अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी विनोद तिजारिया करेंगे। आयोजन समिति के मुख्य समन्वयक यश कमल अजमेरा, परामर्शक दर्शन जैन, समन्वयक मनीष लोंग्या ने बताया कि हास्य सम्राट प्रताप फौजदार,हास्य पैराडी सम्राट शंभु शिखर,हास्य व राजस्थानी गीतकार बुद्धि प्रकाश दाधीच,मुंबई के सुनील व्यास,स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला,हास्य व्यंग्य कवि पीके मस्त और राष्ट्रीय कवि डॉ.कमलेश जैन बसंत अपनी कविताओं से देर रात उपस्थित श्रोताओं को गुदगुदाएंगे। इस मौके पर कवि सम्मेलन में फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोकश बिनायका, महासचिव विपुल बांझल, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश कासलीवाल,पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमल अजमेरा व संयुक्त सचिव आशीष सूतवाले भी मौजूद रहेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

चतुर्थ वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

विधान मण्डल पूजा का हुआ संगीतमय आयोजन...

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर तारानगर विस्तार जगतपुरा जयपुर का गुरूवार 23 फरवरी को चतुर्थ वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया इस मौके पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ । मंत्री राजकुमार सेठी ने बताया कि प्रातः कालीन बेला में जिनेन्द्र देव के अभिषेक एवं शांति धारा के बाद पारसनाथ विधान का साजों -बाजों से संगीतमय आयोजन हुआ। वहीं पूजा के दौरान बीच -बीच में भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। सायंकाल श्रीजी की संगीतमय महाआरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ ।इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, युवा समाजसेवी मनोज सौगाणी,मंदिर संरक्षक सुरेश सोनी, राजस्थान जैन सभा जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य जिनेन्द्र जैन जीतू,एडवोकेट अभिषेक सांघी, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष विकास जैन, मंत्री राज कुमार सेठी, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, मंजू वैद,तिलका सोनी, अंजना गंगवाल,अनिता जैन आदि समाज बंधु उपस्थित रहे। इससे पूर्व बुधवार को पं.प्रकाश जैन के निर्देशन में रात्रि में 48 दीपकों से भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का संगीतमय आयोजन किया गया।

तीन दिवसीय एल्यूरिंग राजस्थान-2023 प्रदर्शनी प्रारम्भ

करीब 80 स्टॉल्स पर हैंडीक्राफ्ट, कृषि, साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेमो हैं आकर्षण का केंद्र

उदयपुर. शाबाश इंडिया

भारत सरकार की ओर से आयोजित तीन दिवसीय एल्यूरिंग राजस्थान-2023 प्रदर्शनी 23 फरवरी से होटल इन्दर रेजीडेन्सी में प्रारम्भ हुई। इस प्रदर्शनी में भारत सरकार के विभिन्न विभाग प्रतिनिधित्व करते अपने उत्पाद एवं उलपब्धियों को लेकर किसानों, छात्रों सहित आमजन को साझा करेंगे। बता दें, प्रदर्शनी का उद्घाटन राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री चुन्नीलाल गरासिया ने किया। इस अवसर पर गरासिया ने कहा कि यह प्रदर्शनी विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले छोटे उत्पादकों एवं किसानों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगी। साथ ही छोटे कुटीर उद्योगों के माध्यम से अपनी आजीविका चलाने वाले काश्तकार एवं किसानों को एक बड़ा बाजार मिलेगा और उनकी देश दुनिया में अलग पहचान बनेगी। प्रदर्शनी संयोजक एमएम भास्कर ने बताया कि इस प्रदर्शनी में करीब 80 स्टॉल्स पर हैंडीक्राफ्ट, कृषि, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वूलन एवं वुडन के उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। उत्तराखंड से अपने प्लाईवुड उत्पादों के साथ आए भूपेंद्र सिंह ने बताया कि उनके पास लकड़ी से निर्मित उत्पादों पर बारीक कारीगरी आमजन को लुभाती हैं। गौरतलब है कि इस प्रदर्शनी में सीएसआईआर-सीरी पिलानी और सीएसआईआर- आईएचबीटी पालमपुर जैसी दो प्रयोग शालाओं की भागीदारी से तकनीक और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शहरी - ग्रामीण छात्रों और बेरोजगार युवाओं को एसी, रेफ्रिजरेटर, वाइंडिंग्स, घरेलू बिजली के कनेक्शन जैसे विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बारे में निशुल्क महत्त्वपूर्ण जानकारियां मिल रही है।

रिपोर्ट फोटोः
राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

विशाल गजरथ की सात फेरी को देखने उमड़ा जन समूह

1008 कुडीये महायज्ञ में सवा करोड़ मंत्रो की दी आहुतियां

नर से नारायण पाषाण से भगवान बनने की विधि दिखाई पंच कल्याणक में:मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

शहर के ढोगा प्रांगण में 17 तारीख से चल रहे श्री 1008 मजिज्नेंद्र पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का गुरुवार को गजरथ परिक्रमा के साथ समापन हो गया है। गुरुवार को प्रातः 5:30 बजे से मंगलाष्टक शांति मंत्र 6:00 से श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा नित्यम पूजन जिनवाणी पूजन देव शास्त्र गुरु पूजन संपन्न हुई ।7:38 पर भगवान को निर्वाण की प्राप्ति हुई। भगवान आदिनाथ कैलाश पर्वत से निर्वाण को प्राप्त हो जाते हैं। चार अग्निकुमार देव आकर भगवान के शरीर की अंतिम क्रियाएं नाक ,और केश का विसर्जन करते हैं। इसके बाद विश्व शांति महायज्ञ में 1008 कुडीय महायज्ञ में सवा करोड़ मंत्रो की आहुतियां सौ धर्म इन्द्र महायज्ञ नायक यज्ञनायक ने हवन की क्रिया संपन्न हुई यज्ञ में सभी महा पात्रों एवं इंद्र इंद्राणीओ ने आहुति दी। आज शांति धारा का सौभाग्य अशोक जैन अतुल जैन आहार परिवार को प्राप्त हुआ।

मोह माया हमारे ज्ञान में बाधक बनी है...

इस अवसर पर विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने कहा कि अपने प्रवचन में कहा कि अनंत शक्तियों की ऐ आत्मा भव्य हो या अभव्य निगोदिया हो या मनुष्य सभी को शक्तियों को एक समान मानकर दिया है। व्यक्ति के पास धन होकर वह धनी नहीं है। हमारे पास ज्ञान है। लेकिन हम ज्ञानी नहीं हैं। क्योंकि यह मोह माया हमारे ज्ञानी होने में बाधक है। भगवान अभी तक ज्ञानवान है। आप ज्ञानी हो गऐ, ज्ञान है, लेकिन ज्ञान की चेतना नहीं है। धन है लेकिन धनी नहीं । मुनि श्री ने कहा ज्ञान अलग चीज है ज्ञान चेतना अलग चीज है जहां-जहां ज्ञान है वहां ज्ञान चेतना होना चाहिए। लेकिन आज कह रहा हूं सम्यक ज्ञान नहीं ज्ञान चेतना की आवश्यकता है सम्यक ज्ञान शास्त्रों के अनुसार पशु पक्षी भी प्राप्त कर लेता है एक नारकीय भी समय दृष्टि हो जाता है सम्यक ज्ञान का इतना महत्व नहीं है जितना ज्ञान चेतना का महत्व है ।मुनि श्री ने कहा का ज्ञान नहीं ज्ञानी पूजा जाता है धर्म नहीं धर्मी पूजा जाता है। मुनि श्री ने कहा धर्म सास्वत है। सदा है सदा रहेगा।

भगवान के भक्त बनकर कर्मो की निर्जरा करें

मुनिश्री ने कहां पंचकल्याणक में भगवान तो 6 दिन में बन गए हैं अगर तुम जीवन भर में भगवान के भक्त बन गए तो तुम्हारे कर्मों की निर्जरा होना निश्चित है। हे भव्य जीव तुम्हारी आत्मा का कल्याण निश्चित है। आदिनाथ धाम त्रिकाल चौबीसी की प्रतिष्ठा हो चुकी है आप लोगों को प्रतिदिन भगवान का अभिषेक शांति धारा एवं पूजन करनी है भक्तामर का पाठ भी करना है निश्चित ही आप सभी परेशानियों से निजात पा जाएंगे ।कार्यक्रम की मीडिया प्रभारी प्रदीप जैन बम्होरी ने बताया कि दोपहर 2:20 पर पंचकल्याणक महोत्सव की गजरथ परिक्रमा शुरू हुई । गजरत फेरी मे पांच रथ शामिल थे रथो के पीछे इंद्र इंद्राणी चल रहे थे नंदीश्वर युवक मंडल वीर व्यायामशाला के युवा साथी जय जिनेंद्र कार्यकारिणी के युवा साथ में चल रहे थे ।

आज टीकमगढ़ के लिए ऐतिहासिक दिन है: धुर्रा

मध्यान में गजरथ फैरी के सीधे प्रसारण को संबोधित करते हुए दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता विजय धुर्रा ने कहा कि आज टीकमगढ़ नगर के लिए ऐतिहासिक दिन है हजारो भक्तों के साथ हजारों ग्रामीण गजरथ में वैढे भगवान के दर्शन कर अपने को धन्य वना रहे हैं आज का दृश्य हमेशा हमेशा के लिए नजरों वसा लेने वाला है इस दौरान गजरथ फेरी में निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज छुल्लक 105

गंभीर सागर जी महाराज चल रहे थे सौधर्म इंद्र कुबेर महाराज, भगवान के माता पिता ,महायज्ञ नायक हाथी के रथ पर सवार होकर चल रहे थे। यज्ञ नायक राजा सोम राजा श्रेयांश भरत बाहुबली ब्रह्मइंद्र सहित अनेक इंद्र, महामंडलेश्वर, रथ पर सवार होकर परिक्रमा में चल रहे थे। गजरथ देखने के लिए शहर सहित देश के अनेक शहरों से अनेक नगरों से टीकमगढ़ शहर के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से करीब 50000 लोग आज महोत्सव के साक्षी बने।